

53015





Acc. 3013

ति ॥ अलिङ्गयन् ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 यमपि ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 भगवन् ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 प्रपन्न ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 दयः ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 भद्रपथ ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 उदा कथय ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 दयः ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 वदन् ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 तीर्थावली ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 क ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 नमः ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 मभय ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 मभय ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 मभय ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 न ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 क ॥ ॥ विचित्रकरभभय
 ० ॥ विचित्रकरभभय



का

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

यथाभिमुककाउपययध्वि गनवृमवेदरु
 कयिनीपुवदिहोडियएधकपुडलतिः
 भुसंभवगनेसु युवापलतिधलिउवलिने
 रगगीतिः गृहउलगाएभृएहवलेवलने ॥
 उभागःसुभगातिः मउधरगेगातिह भय
 गहमकमयसु ॥ उडिडिगीयएयसु
 सभःपमः ५ ॥ उडिचपराणउगमक
 उडिचकपिकरले सचनपुंभकभ
 डिगीयउउयमउउउहहउउउभ
 ५५५पत्रमाडिगीयया कलःपरिमलि
 न नाल रंधमगुड भर्षी यमकमिह
 सु ननिचगले प्ररामपुमधादिउउभम
 हयउउभभगपिकरलेन कुनमप्रमय
 मपिकरलेममिउम कमलिम कमक
 हं कउरि कउरिम निहंमिदुमगविक
 येः उगाडिभूमयः पुपपमभाउम सुभ
 वृयेन उगीयपुहुडिउहउउभं कभ
 मधवदुगीतिः पुनकभहपमउ भह

यद्यप्यभजतुनापिकमस्तुः भस्तुये दिष्टुम
 वृत्तमने उहउतंमाभाउभउये उतमदति
 उहउयेग मउकुहुहुः उपभलनप्रचमं गस्त
 मउतामिधुपगमं हुकुभिः सुस्तुहुतमप
 सुल्यमगमं मउभाभिः मेधल्लरुजुदि
 विधु दगदउगुमिधु कउगकुमउगये ॥
 उमिदिमितीयहयभुमिउीयपमः ३ ॥ ॥
 तिसुनठिदिउे कउलिमिउीय उीयमदि
 सुनभि सुउगउरलयउ कलसुनरहउ
 मयुग सुपवनेउीय मउभाभिः पउमुक
 कभउ कउप्रवमनीयसुउाउिउीय यभ
 मपिकंयभुमसुगवमनेउउमउभाभिः पउमुप
 दनिदिः सुउिगिपिपुउिमनययभाउ
 गहजकउलिमिउीयमउउे मउयभनस
 नि मउउीमभुमने मियउपपमभुम
 कउभुनिनः उमजमुठववामिनः नमः
 सुभिभुदुभुपनेवभमुगसि मउकउलि
 मानमरविठमभुलिधु कउकउलिभु

३

एतत्तुः सधमविशेषः स सुतकः अह
 ॥७॥ भाविगवामितेन गवसुप्रहृतीनिम
 विठपवममगग ॥ १॥ एतुसुवदुवप्रवधो
 ॥ २॥ विभुतिधितुं सनपिकग ॥
 वमि नरुपिपयसुमीनि सपिकग ॥ ३॥ उव
 इम विठपमभीपे सनपुंमकभा सुव
 योठवसु उदुमधेनदुमगयः मसुय
 कुजेमीनरध उमहधेनमंतमसुमिगएग
 यम कयवदुहते मठगममवधप्रच
 सुमलम विठपमनसुगसुयमलम
 मपम पमंलिङ्गसुवउदुमधयः प्रच
 वदसुवसुवे नमतामिमिरवदुगउमसुव
 मि मगदुमपुंमि सुयसुवपुंमकभा
 सुचहपुमिम ॥ ४॥ मवदुमसमनेमउम
 डीयमे एतुमसुउमसुउमे मवदुमि
 विडीयमसुवः सुचणउक सुदुमसि
 सुपिकिडि लदुनेमसु मलपसु वदु
 लसुवमि लिहवउमसु सुदुनपम

क.
 अ.
 ७

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

विष्णुविहङ्गुत्तमः ॥ १ ॥ कर्मः कर्मः ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥
 नमः ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥
 उक्तयकं कर्तुमिह ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥
 मय्यमहं भक्तमिह ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥
 नृपभक्तः संयमसु ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥
 म नृपभक्तः ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥
 मः ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥
 कर्तुमिह ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥
 मः ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥
 वदन्तः ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥
 द्विः ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

उर्वेकव कनभम गण्डभुमभुगुदधःकु
भं दनुपणसुनुधिमतः रंभापनः कुनि
भंष्टयभं भलेविठभगणभयभदभवे
इमसुजप्रुष्ठपष्टचष्टः ठिहृहृनमे प्रष्ट
भिष्टेनमई विप्रयविनीयमिष्टभल्लकनु
दलिषु प्रष्टभिहृगुरुसुनुभिः पमभुगिरे
हपकप्रुम विठभदभवेः युगुंमपई
मभवष्टुउरभं सुनुभिनिष्ठुद्वद्वय
भुल्लयित्रीयिष्ठिभदभुदसुदपुपुपुपु
मष्टुपसुप्रुतिपीष्टुद्वद्वयभुद्वयभुद्वय
युमभुनि ठलेनुतं गगवष्टुके उषयुर
पिगपिलपिष्टपिमभसु अनष्टुनिष्ठ ५५
येमभद्वे पष्टुभत्रष्टुनिकुपुणंष्टुभानद्वि
विचभभभिष्टेनीपुः सुः इकुः पष्टुभद्वे ॥
मष्टुपमिष्टुपमष्टुमप्रष्टः मिष्टुपिमि
हम सुः सुः नदिगुदिपापमिष्टुलि
मः उष्टुपपष्टुप्रीकिरःकः उष्टुपमभन
पष्टुपपष्टुमःमः अनपमनलिभद्विच

लिटि चम लुटः भद्रु मुन कुत नैलर पमर
 लविमभमेभान् मुः भिरे ठवे मुकतुगिमर
 रके मंष्टुयभ परिभाणाएयं भवेहः उरसु
 उपमनेनवः भमियुदुवः मिहवेनपभ
 न वेष्टुमवः मुवेमिथयः प्रुदुमुभवः निरहः
 प्रुनेः उत्रुगुः कृणुते यल्लभमिभुवः पमु
 यल्ल प्रुवनव विमरु कन्नेनभिम उमिगुदः
 भमिभष्ट परिहृतील्लिउरुधयः परवत्र
 पाटयः हृपयः सतः पराय कशुमनमा
 मुयनिवभमिउमगीरिभमभाएनभुम्युवः
 भल्लमनउरुष्ट कम्पुतिदरुल्लिभियभ
 मुठविष्टवः उत्रुसवटुनूदः प्रुति
 भयं भरीयल्लनेवगुते उमिसुयति रीति
 प्रुदुवः विठभमिभुवः मुवेगुदिकप्रुति
 वने प्रुवलिभम उमम वल्लिउरुधयः
 परुठववेष्टुने गरम एमरथ हृपल्लभुम
 मनेन भनदभेच यमः भमपनिविध नेग
 मरुपधुवनः कलिगील्लगंम निहृपल्लः प

ह.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

यस्य यश्चैः सुदयं म मिहीकरल्लम मेधेल्लु
दयमे उतापुः भभकयोजिमा कभप्रवेकनेक
सुडिमभवनैलभिडिमोडिह प्रयगे विठध
एताभभवनवमनेयदि केडकेडभडेडिमा
उसुकेधालिहिए भभनकडकेधुडभन लिह
उसुकेधुविठधवडभन विणिनिभडुमभडु
णीमभप्रसप्रजनपालिमा लेह प्रधेडिमने
प्रप्रकलेधुहडस लिहचभनडिके मले
पुणीमुम कलभभचवलभडभन लिहमि
मदेकडकमसु अवसुकणभलयालिनिः कड
मु मकिलिह सुमिभिलिहिए डिमुडम
भडुयभ भाडिल्लम केलेलह ॥ उडिहडि
यामयधुइयैयः भडः ॥ ३ ॥ ॥ ॥
लिहउमभुवप्रहयः नियाभभठिकगलेहिए
दिधेवउडमभः भभसुयवडभह यधवि
हवप्रयगेः प्रचभिन भभसुयभभभुनमन
धुमुचभिलहडिहः लिहकलेह उमभ
वममडुयमु उमडभभनभडकेकभनहम।

[illegible]

यथा विठ्ठलपदपरिभ्रमणं पदयत्न
 मिदृतिप्रभृता उरुमैत्रातुनिः उदितिप्रभृत्
 लभा नभंभके नवेतः सुसु कदम्बिभयनभं
 भजकृतः मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 पुंभिभययंभः पुंभ्यः मगगिभ्यापला
 हृदयपदपरिभ्रमणं पदयत्न
 नृपयत्नयेहवभंभजकृतः उदितिप्रभृत्
 के एतभनभः पदयत्नभंभजकृतः
 ४ सुतः पदयत्नभंभजकृतः उदितिप्रभृत्
 पुंभ्यः मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 भजकृतः मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 पुंभ्यः मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 कलविठ्ठलपदपरिभ्रमणं पदयत्न
 लिपिभित्तुलपिपुयतिपुते सुतम पदयत्न
 मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 किंभुतलिपुते मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं
 पि किंभुतलिपुते मगगिभ्यापला कदम्बिभयनभं

श्री गणेशाय नमः
 भः कवल...
 उचम...
 उचक...
 निहमपुत्रा...
 किउऊ...
 उउथ...
 पम...
 भुकव...
 विक्क...
 वृमा...
 पुंयिग...
 ठवस...



